आवधिक पाठ्यक्रम

2019-20

कक्षा – 7 (प्रतिभा समूह) **विषय – हिंदी**

पाठ्य पुस्तक – वसंत, भाग – 2, बाल महाभारत

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2019 से सितम्बर, 2019)

पाठ सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार	अधिगम- संप्राप्ति	अधिगम उद्देश्य
पाठ .1	**हम पंक्षी उन्मुक्त गगन के**	कविता	शिवमंगल सिंह सुमन	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, - विभिन्न चिड़िया के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, - पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, - पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता की पीड़ा को समझने का प्रयत्न करेंगे, - परतंत्र भारत के निवासियों की पीड़ा और ब्रिटिश गुलामी से स्वतंत्रता की उत्कट अभिलाषा को जान सकेंगे, - कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 2.	**दादी माँ**	कहानी	शिवप्रसाद सिंह	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - परिवार में दादा- दादी, नाना- नानी आदि बुजुर्गों के महत्त्व को अपने संदर्भ में अनुभव कर सकेंगे, - स्नेह और ममता की मूर्ति के रूप में दादी/नानी बच्चों के

				विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	लिए किस प्रकार अभयदान की स्रोत होती हैं, इस तथ्य से अवगत हो सकेंगे, - पारिवारिक रहन-सहन परम्परा, - भावों- विचारों के आपसी आदान- प्रदान में समर्थ होगें, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ.3	**हिमालय की बेटियाँ**	निबंध	नागार्जुन	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस ज्ञान-वर्धक पाठ के माध्यम से हिमालय से निकलने वाले विभिन्न नदियों के बारे में जान सकेंगे, - भौगोलिक रूप से छात्र विभिन्न जानकारियों को आपस में साझा कर पायेगे, - तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, - पर्वत के रहन सहन तथा आचार विचार के बारे जान सकेगे, - जलवायु के विविध पक्षों की जानकारी कर सकेगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका - भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - नए नए शब्दों से परिचित होगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ	**फूले कदंब (केवल पढ़ने के लिए)**	कविता	नागार्जुन	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ,	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन एवं मौन वाचन कर सकेगे, - पठन के कौशलों का विकास कर सकेंगे, - बोलचाल के नए नए आयामों से परिचित हो सकेगे, - परम्पराओं तथा उनके अलग अलग रूपों से परिचित होगे, - अलग अलग वनस्पतियों ,उनके फूलों,तनों तथा फलों के

					प्रति जिज्ञासु होंगे, - वार्तालाप के नए नए रस्ते खुलेगे, - वाचन, मनन,गायन तथा उनके आपसी प्रयोग के लिए छात्र तैयार होगे, इससे उनका शब्द शक्ति बढ़ेगी, - पौराणिक कथानक से जुड़कर नयी जानकारियां पा सकेगे, - जल,नदी,पेड़ और पक्षियों के आपसी संबद्ध के साथ साथ उनकी मानव जीवन से जुड़ाव जान सकेगे,
पाठ 4..	**कठपुतली**	कविता	भवानी प्रसाद मिश्र	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - गुलामी/ परतंत्रता की पीड़ा को समझ सकेंगे, - स्वतंत्रता/ आज़ादी के महत्त्व को समझ पाएंगे, - क्षेत्रीय और पारंपरिक खेलों, मनोरंजन के साधनों और गतिविधियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 5.	**मिठाईवाला**	कहानी	भगवती प्रसाद बाजपेयी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - गलियों में घूमने वाले विभिन्न फेरीवालों के प्रति जिज्ञासु और सजग होंगे, - फेरीवालों के दिनचर्या और हमारे जीवन में उनके महत्त्व को जान सकेंगे, - बाल-हठ को महसूस कर सकेंगे, - फेरीवाले के माध्यम से कहानी में वर्णित संवेदनशीलता को जान सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ .	**फेरीवालों की आवाज़ें**		महेश्वर दयाल	आदर्श एवं अनुकरण वाचन,	- आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - गलियों में घूमने वाले विभिन्न फेरीवालों के प्रति जिज्ञासु

	(केवल पढ़ने के लिए)			कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण,	और सजग होंगे, - फेरीवालों के दिनचर्या और हमारे जीवन में उनके महत्त्व को जान सकेंगे, - गतिविधियों के क्रम में विभिन्न फेरीवालों के द्वारा लगाए जाने वाले आवाजों को जान सकेंगे, - उनके द्वारा लगाए जाने वाले आवाजों की तुकबंदी और लयात्मकता को जान सकेंगे,
पाठ 6	**रक्त और हमारा शरीर**	निबंध	यतीश अग्रवाल	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस विज्ञान विषयक पाठ के माध्यम से हमारे शरीर और रक्त संरचना को जान सकेंगे, - रक्त के निर्माण,उसकी उपयोगिता और हमारे शरीर के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, - रक्त से जुड़े कई शब्द यथा- स्लाइड, सूक्ष्मदर्शी, प्लाज्मा, बिम्बाणु (प्लेटलेट्स) आदि से परिचित होंगे, - रक्त की कमी से होनेवाली बीमारियों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, - रक्त अथवा खून की कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस तथ्य को जान सकेंगे, - अपने आहार एवं शरीर के प्रति सजग होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 7	**पापा खो गए**	नाटक (मराठी)	विजय तेंदुलकर	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत	- 'नाटक' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा से परिचित होंगे, - एकांकी/ लघुनाटिका शब्द से परिचित होंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - नाटक के विभिन्न तत्व यथा पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि से परिचित होंगे, - संवाद के माध्यम से वाचन कौशल को समृद्ध कर सकेंगे,

				प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- अपनी कल्पनाशक्ति का विस्तार कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 8	**शाम एक किसान**	कविता	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - शाम के ग्रामीण प्राकृतिक परिवेश की कल्पना करेंगे, - किसान के शाम के क्रियाकलापों से परिचित होंगे, - कविता में प्रयुक्त प्रतीकों के संदर्भगत अर्थ के बारे में जान सकेंगे, - ग्रामीण जीवन के परिवेश से परिचित होंगे, - कविता के द्वारा बिम्ब बनने का अनुभव कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 9	**चिड़िया की बच्ची**	कहानी	जैनेन्द्र कुमार	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस पाठ के माध्यम से स्व-अनुशासन के प्रति सजग होंगें, - इस पाठ के माध्यम से विविध प्रकार के प्रलोभनों से बचने के प्रति सतर्क और सजग होंगे, - 'कहीं भली है निबौरी कनक-कटोरी की मैदा से' पंक्ति के साथ भाव-साम्य स्थापित कर सकेंगे, - बाल-शोषण जैसे अपराधों के प्रति जागरूक हो सकेंगे, - परिवार में ही आप सबसे सुरक्षित हैं, इस तथ्य के बारे में जान सकेंगे, - पारिवारिक सुरक्षा में माँ के महत्त्व के बारे में बता सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 10	**अपूर्व अनुभव**	संस्मरण	तेत्सुको	आदर्श एवं अनुकरण	- 'संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में

		(जापानी)	कुरियानागी	वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - समाज के दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील होंगे, - दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का सम्मान कर सकेंगे, - दिव्यांग मित्रों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करेंगें, - अन्य देशों और भाषाओं के साहित्य से परिचित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
बाल महाभारत अध्याय 1 से 20 तक				• पुस्तक का वाचन करते हैं। • पौराणिक कथाओं से परिचित होते हैं। • पौराणिक कथाओं में वर्णित बिन्दुओं पर चर्चा करते हैं। • तत्सम शब्दावली से परिचित होते हैं। • **पूरक पाठ्य-पुस्तक केवल पठन के लिए है, मूल्यांकन में इनसे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।**	
व्याकरण • वर्णमाला • भाषा और लिपि • संज्ञा-पहचान एवं प्रयोग • सर्वनाम- पहचान एवं प्रयोग • विशेषण- पहचान एवं प्रयोग • विलोम शब्द • लिंग • वचन • पाठ्यपुस्तक में वर्णित अन्य व्याकरणिक बिंदु				• हिंदी वर्णमाला और मात्राओं का उचित प्रयोग करते हैं। • भाषा और लिपि की सामान्य परिभाषा जानकर दिल्ली में प्रयुक्त प्रमुख लिपियों और भाषाओं के नाम जानते हैं। • सर्वनाम की परिभाषा का सामान्य बोध और अपनी भाषिक प्रयुक्ति में इसके महत्व को समझकर प्रयोग करते हैं। विभिन्न सार्वनामिक कोटियों की पहचान करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में इनका यथोचित प्रयोग करते हैं। • विशेषण की परिभाषा का सामान्य बोध और अपनी भाषिक प्रयुक्ति में इसके महत्व को समझकर प्रयोग करते हैं। विशेषणों की पहचान करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में इनका यथोचित प्रयोग करते हैं। • विलोम शब्द का बोध करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में उसका उचित प्रयोग करते हैं। • लिंग एवं वचनसंज्ञा की परिभाषा का बोध करते हुए अपनी पाठ्यपुस्तक में व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञा की पहचान करते हैं।	

	• **पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे।**
निबंध • स्वतंत्रता दिवस • मेरे प्रिय व्यक्ति • वृक्षारोपण • **मेरा प्रिय खेल** • **उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य शीर्षकों से सम्बंधित निबंधों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए।**	• अपनी रूचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
पत्र (औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र) ▪ **प्रधानाचार्य को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पत्र,** ▪ **मित्र को अपने जन्मदिन पर निमंत्रण के लिए पत्र,** ▪ **स्वास्थ्य अधिकारी को मच्छरों की रोकथाम करने हेतु पत्र,** ▪ **परीक्षा में प्रथम आने पर बड़ी बहन को बधाई पत्र आदि ।** ▪ **उपरोक्त पत्र संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य पत्रों के लेखन का अभ्यास करवाया जाए।**	❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। ❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।

पुनरावृति
मध्यावधि परीक्षा

द्वितीय सत्र (अक्टूबर 2019 से मार्च 2020 तक)

पाठ11	**रहीम के दोहे**	कविता	रहीम	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - पाठ में दिए गए रहीम के दोहों का अर्थ समझ सकेंगे, - प्रत्येक दोहों में सन्निहित भाव एवं सीख से परिचित होंगे, - सच्ची मित्रता की कसौटी को जान सकेंगे, - वास्तविक लगाव को समझ पाएंगे,

				प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- परोपकार की भावना को सोदाहरण समझ पाएंगे, - सहनशक्ति और उदारता की भावना को सोदाहरण समझ पाएंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 12.	**कंचा**	कहानी (मलयालम)	टी. पद्मनाभन	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कहानी विधा से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर स्वयं को कहानी के साथ जोड़कर बचपन के दिनों की अनुभूति करेंगे, - बालपन की दिनचर्या, मानसिकता एवं गतिविधियों को समझ सकेंगे, - बच्चों के साथी-संगति एवं माहौल को जानकर उस कसौटी पर अपने आप को परख सकते हैं, - गली-मुहल्ले के परम्परागत खेलों के बारे में जिज्ञासु होंगे, - गली-मुहल्ले के अपने अनुभवों से जोड़कर कह सकते हैं, - विद्यालय के माहौल को जानकर उसपर अपनी राय बना सकते हैं, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 13	**एक तिनका**	कविता	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - तिनके के माध्यम से समाज के प्रत्येक व्यक्ति के अस्तित्व एवं महत्त्व देने की प्रवृत्ति का विकास होगा, - समाज में सभी व्यक्ति और वर्ग को यथोचित सम्मान से देखने की भावना का विकास होगा, - घमंड/अहंकार से दूर रहने की सीख ग्रहण करेंगे, - जीवन में प्रत्येक वस्तु को उचित महत्त्व देने की सीख ग्रहण करेंगे,

					- पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 14	**खानपान की बदलती तस्वीर**	निबंध	प्रयाग शुक्ल	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - 'मिश्रित संस्कृति' शब्द का अर्थ और भाव समझ पाएंगे, - खान- पान के अलग-अलग रूपों से परिचित होगे, - 'विविधता में एकता' के सन्दर्भ में खान- पान के विविध स्वरूपों के महत्त्व से अवगत होंगे, - विभिन्न क्षेत्रीय व्यंजनों के स्वरूप एवं उसकी विशेषता से परिचित होंगे, - विभिन्न स्थानीय व्यंजनों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - अपने क्षेत्र के व्यंजनों के स्वरूप एवं उसकी विशेषता को साझा कर सकते हैं, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 15	**नीलकंठ**	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'रेखाचित्र' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, - चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, - विभिन्न चिड़िया के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, - पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होंगे, - राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में अधिक जिज्ञासु होकर उनसे सम्बंधित जानकारियां एकत्रित कर सकते हैं, - मनुष्य और पक्षियों के बीच के आपसी सम्बन्धों को जान सकेंगे,

					- कल्पनाशीलता का विकास होगा, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 16	**भोर और बरखा**	कविता	मीराबाई	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - मीराबाई के जीवन,कृष्ण के प्रति उनके असीम लगाव और समर्पण के बारे में जान सकेंगे, - बालक रुपी कृष्ण को प्रातःकाल में जगाने की प्रक्रिया के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परम्परा से अवगत होंगे, - प्रातःकाल और वर्षाऋतु के सुरम्य वातावरण की विशेषताओं से अवगत होंगे, - भारतीय ऋतुओं और महीने के हिंदी के नामों से परिचित होंगे, - भोर और बरखा जो क्रमश: प्रातःकाल और वर्षा के देशज शब्द है ,उनके प्रयोग से भाषा में व्याप्त सौन्दर्य की अनुभूति कर सकेंगे, - देशज शब्दों की पहचान करने में समर्थ हो सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 17	**वीर कुँवर सिंह**	जीवनी	विभागीय	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'जीवनी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - वीर कुँवर सिंह के जीवन, व्यक्तित्व, देशभक्ति और स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदान को जान सकेंगे, - 1857 के स्वाधीनता संग्राम एवं उसके सेनानियों के बारे में जान सकेंगे, - राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के विभिन्न घटनाक्रमों और उनसे जुड़े व्यक्तियों के प्रति जिज्ञासु होंगे,

					- पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 18	**संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया: धनराज**	साक्षात्कार	विनीता पाण्डेय	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- 'साक्षात्कार' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, - आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - सुप्रसिद्ध भारतीय हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै के जीवन, व्यक्तित्व और उनके खेल जीवन के बारे में जान सकेंग, - भारतीय राष्ट्रीय खेल 'हॉकी' के बारे में अधिक से अधिक जानने को उत्सुक होंगे, - इस साक्षात्कार के माध्यम से जीवन के उतार-चढ़ावों को समझने की कोशिश कर सकते हैं, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ	**हमारी ख्वाहिश (केवल पढ़ने के लिए)**	गीत	रामप्रसाद बिस्मिल	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ,	- 'गीत' शब्द से परिचित होते हुए इसकी संगीतात्मकता और सौन्दर्य की अनुभूति कर सकेंगे, - भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, - इस गीत को स्वयं अथवा समूह में गायन हेतु प्रेरित होंगे, - देश की आज़ादी के लिए शहीद होने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों की रचनाओं से अवगत होंगे, - शहीद होने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों की अन्य रचनाओं को पढ़ने के लिए जिज्ञासु होंगे, - देश के लिए सबकुछ न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जिज्ञासु होंगे, - राष्ट्रभक्ति और देश के बलिदानियों के प्रति सम्मान की भावना का विकास होगा, - पाठ में आये अनेक उर्दू-फारसी शब्दों से अवगत होते हुए उनका अर्थ जानने का प्रयास करेंगे,
पाठ 19	**आश्रम का अनुमानित**	लेखा-जोखा	मोहनदास करमचंद गाँधी	आदर्श एवं अनुकरण वाचन,	- 'निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे,

	व्यय			कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- निबंध की विषय-वस्तु के रूप में लेखा-जोखा के अर्थ और संदर्भ से परिचित होंगे, - आदर्श वाचन के माध्यम से अनुकरण वाचन में सक्षम होंगे, - गांधी जी के आश्रम के विभिन्न मदों के अनुमानित व्यय से परिचित होंगे, - गांधी जी के व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली से परिचित होंगे, - बजट की आवश्यकता और इसके महत्त्व से परिचित होंगे, - बजट बनाने की प्रक्रिया से अवगत होंगे, - स्वयं भी किसी कार्य हेतु अनुमानित बजट बनाने के लिए प्रेरित होंगे, - अपने परिवार के लिए आय और व्यय का अनुमानित आकलन कर सकेंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, - अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
पाठ 20	**विप्लव गायन**	कविता	बालकृष्ण शर्मा नवीन	उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, भावार्थ, प्रश्नोत्तर ,एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	- कविता विधा से परिचित होंगे, - भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, - स्वाधीनता आन्दोलन को तीव्र करने वाली कविता और उनके रचनाकारों से अवगत होंगे, - 'विप्लव' शब्द के अर्थ और संदर्भ को जान सकेंगे, - कवि के विप्लव-आह्वान के कारणों को समझने का प्रयास करेंगे, - रूढ़, जर्जर, पुरातन मान्यताओं के स्थान पर नए विचारों को आत्मसात करने का प्रयास करेंगे, - स्वाधीनता आन्दोलन को तीव्र करने में विभिन्न हिंदी कवियों के योगदान के प्रति जिज्ञासु होंगे तथा उनकी अन्य रचनाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित होंगे, - पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,

					- अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।
बाल महाभारत अध्याय 21 से 40 तक				• पुस्तक का वाचन करते हैं। • पौराणिक कथाओं से परिचित होते हैं। • पौराणिक कथाओं में वर्णित बिन्दुओं पर चर्चा करते हैं। • तत्सम शब्दावली से परिचित होते हैं। • **पूरक पाठ्य-पुस्तक केवल पठन के लिए है, मूल्यांकन में इनसे प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे।**	
व्याकरण 1. तत्सम और तद्भव शब्द 2. उपसर्ग एवं प्रत्यय 3. मुहावरे 4. लोकोक्तियाँ (पाठ्यपुस्तक में वर्णित अन्य व्याकरणिक बिंदु)				• हिंदी भाषा और साहित्य तथा अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में तत्सम, तद्भव शब्द, उपसर्ग–प्रत्यय तथा मुहावरे और लोकाक्तियों का महत्व **समझते हैं**। • अपनी पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम–तद्भव, उपसर्ग–प्रत्यय तथा मुहावरे और लोकोक्तियों की पहचान करते हुए अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में उनका उचित प्रयोग **करते हैं**। • **पाठान्तर्गत भाषा की बात का अभ्यास करेंगे।**	
निबधं • गणतंत्र दिवस • आपका प्रिय त्यौहार • समय का महत्व • मेरा विद्यालय एवं अन्य सम-सामयिक विषयों पर • **उपरोक्त शीर्षक संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य शीर्षकों से सम्बंधित निबंधों का लेखन-अभ्यास करवाया जाए।**				• अपनी रूचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।	
पत्र (औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र) • स्वास्थ्य अधिकारी को मुहल्ले की सफाई हेतु **पत्र,** • दिल्ली जल बोर्ड **के अधिकारी को** शुद्ध पानी उपलब्ध कराने हेतु **पत्र,**				❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं।	

• अपने बड़े भाई को परीक्षा के लिए अपनी तैयारी के बारे में बताते हुए पत्र, • नववर्ष की शुभकामना देते हुए अपने मित्र/सहेली को पत्र आदि। • **उपरोक्त पत्र संकेत मात्र हैं। इस प्रकार के अन्य पत्रों के लेखन का अभ्यास करवाया जाए।**	❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी **रुचि** एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	
वार्षिक परीक्षा एवं परिणाम	

नोट :–

- ✯ सभी पाठों के पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए/कठिन शब्दों से परिचित कराने का प्रयास करें।
- ✯ सभी पाठों के पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास कक्षा में कराएँ।
- ✯ वार्षिक परीक्षा में प्रथम सत्र के व्याकरणिक बिन्दुओं के साथ निम्न पाठों से भी प्रश्न पूछे जाएँगे :–
  दादी माँ, कठपुतली, मिठाईवाला